सभी नागरिकों को जितनी भी सुविधाएं मिलती हैं वह सब आसान, पारदर्शी और सही तरीके से मिलें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

Overview of eGov Foundation

eGov फाउंडेशन एक संस्था है जिसका लक्ष्य हैं देश के सभी नागरिकों को चाहे वह छोटे शहर में रहते हों या बड़े शहर में। हमारे देश में 4400 शहर और नगर पालिकायें हैं। इन शहरों और नगर पालिकाओं के सभी नागरिकों को जितनी भी सुविधाएँ मिलती हैं वह सब आसान, पारदर्शी और सही तरीके से मिलें। उनको पता रहे कौन और कहां उनकी सुविधाओं की देख रेख कर रहा है और उनका काम कब तक होगा। यह सब आसानी से हो यही हमारा एकमात्र लक्ष्य है।

What is the thought process in setting up the eGov Foundation. We are aware of the certain lapses in the governance of India and how does eGov Foundation fill those gaps (eGov फाउंडेशन की स्थापना में विचार प्रक्रिया क्या है। हम भारत के शासन में कुछ कमियों से अवगत हैं और U eGov फाउंडेशन उस अंतराल को कैसे भरता है)

eGov फाउंडेशन का जो संस्थापन हुआ था 18 साल पहले वह यही सोचकर हुआ था कि भारत के जो शहरी इलाके हैं जो सिर्फ मुंबई या दिल्ली ही नहीं। शहर सहारनपुर भी शहर आसनसोल भी है, शहर तेनाली भी है जो 30 हज़ार लोगों का शहर है।

यह जो शहरी इलाके हैं वह विकास के लिए बहुत ज़रूरी हैं। आज हमारे शहरों में 30 प्रतिशत आबादी है लेकिन उनका जो कंट्रीब्यूशन जीडीपी में है वह 50 प्रतिशत से ज्यादा है और यह बढ़ता जायेगा। इसलिए हमें शहरों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है और इन शहरों में जो लोग हैं उनको अच्छी सुविधाएँ मिले अच्छे अवसर मिले उसके लिए जो शहरों का गवर्नेंस है

Please go through some light on DIGIT platform and what products and services are provided here (·¤ëÂØæ DIGIT प्लेटफॉर्म पर कुछ प्रकाश डालें और यहां कौन से उत्पाद और सेवाएं प्रदान की जाती हैं)

पहले हम डिजिटल प्लेटफार्म को समझ लेते हैं कि यह ऐसा सॉफ्टवेयर है जो किसी भी सरकारी या प्राइवेट कंपनी या सामाजिक संस्थान को मुफ्त में उपलब्ध है। दूसरा इस प्लेटफार्म में बहुत सारे प्रोडक्ट्स और सोलूशन्स हैं जिससे कि लोगों का काम सहज होता है तो नागरिकों के लिए आप घर बैठे अपने व्हाट्सप्प के द्वारा अपना प्रॉपर्टी टैक्स भर सकते हैं या वेब पर जाकर दो बटन दबाकर अपना नया कनेक्शन के लिए आवेदन दे सकते हैं। आप अपने आवेदन का स्टेटस भी चेक कर सकते हैं। और आपको सभी कामों की रशीदें, सर्टिफिकेट्स, प्रूफ, भी डिजिटल फॉर्म में मिल जाता है। यह एक बात हुई। दूसरी बात शहर के जो कर्मचारी हैं जो नगरपालिका में काम करते हैं उनको सारा काम कैसे सहज किया जाये।

On behalf of Mr. Viraj Tyagi, CEO, eGov Foundation.

Which state is more active in usage of eGov solutions? Which are the popular products and how the products provide solutions and any case studies available?

eGov समाधानों के उपयोग में कौन सा राज्य अधिक सक्रिय है? कौन से लोकप्रिय उत्पाद हैं और उत्पाद कैसे समाधान प्रदान करते हैं और कोई केस स्टडी उपलब्ध है?) हमारी संस्था अभी 10 से ज्यादा राज्यों के साथ काम कर रही है। पंजाब, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तराखंड, हरियाणा और जो भी हमारे 62 कन्टेनमेंट बोर्ड हैं रक्षामंत्री के साथ काम करते हैं। चेन्नई में म्युनिसिपल कारपोरेशन , केरला में कोझीकोड है और नार्थ ईस्ट राज्यों में काम करते हैं। हर जगह जो काम हो रहा है हमने देखा है कि ज्यादातर जो प्रोडक्ट इस्तेमाल हो रहा है वह पब्लिक ग्रीवांस कैसे नागरिक अपनी समस्याएं म्युनिसिपालिटी को बताये, कैसे उनकी समस्याओं का समाधान हो, कब हो चूका, उसकी रेटिंग भी करते हैं। तो पूरा एक पारदर्शी तरीके से वो देख सकते हैं की क्या हो रहा है।

Ne&t Question - In view of the Covid pandemic, how have eGov solutions been utilized for the benefit of citizens?

eGov समाधानों का कैसे उपयोग किया गया है?)

कोविड की ये महामारी का जो दौर चल रहा है उसमें हमने 2-4 काम किये है जिससे कि देश के नागरिकों को फायदा हो। एक तो हमने पंजाब के राज्य में एक कोविड चैटबॉक्स बनाया है जिसका नाम है हिम्मत। जो लोग सेल्फ आइसोलेट है वो लोग दिन के दिन अपने जो भी symptoms रहे हैं, जो भी उनका temperature है उसको रिपोर्ट कर सकें और उसको देखते हुए सरकार के जो मेडिकल अफसर है वो लोग उस पर एक्शन ले सकें। दूसरा, जब पिछले साल लोकडाऊन लगा था तब एक समस्या ये थी जो लोग आवश्यक सेवाओं में काम कर रहे थे चाहे खाने की फैक्ट्री में या दवाई की फैक्ट्री में काम कर रहे हों उनको बिना बाधा के अपने काम पर जाने दिया जाये तो उसमें हमने Covid epass सिस्टम बनाया था जिसमें जो फैक्ट्री के संचालक हैं वो लोग जो उनके कर्मचारी हैं उनको पास दे सकते हैं और जो अप्रूवल है वो सरकार के द्वारा किया जायेगा। फिर जब वो पास उनके पास हो चाहे वो उनके मोबाइल फ़ोन पर हो या प्रिंटेड पास हो तो अगर कोई पुलिस उन्हें रोकेगी तो उस पास को स्केन करके वो प्रमाणित कर सकते है कि वो एक सही आदमी है और उसका एक सही कारण है जैसे आज उसको अपने फैक्ट्री जाना है या काम पर जाना है। इसका उपयोग।

Last Question - Technology in governance - a boon for the country, please comment. (शासन में प्रौद्योगिकी - देश के लिए वरदान, कृपया टिप्पणी करें।)

जब हम भारत में governance (गवर्नेंस) की बात करते हैं उनमें दो चीजें हैं क्योंकि पहला भारत में जो जटिलता है समस्याओं की वो बहुत ज्यादा है, दूसरा समस्याओं का जो पैमाना है वो बहुत बड़ा है। दोनों को अगर ध्यान में रखें तो बहुत सारी जटिल समस्याएं हैं और एक बहुत बड़े पैमाने पर हमें इसे सुलझाना है और उसके लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है। क्योंकि अगर आप एक-एक करके हर एक संदर्भ में एक समस्या को सुलझाएंगे तो सुलझाने में बहुत समय लग जायेगा। हमारा यह मानना है कि टेक्नोलॉजी होने से कई जटिल समस्याओं को एक बड़े पैमाने पर सुलझाना आसान है।